

मुख्यमंत्री ने संपूर्णता अभियान में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए करौली को स्वर्ण पदक दिया

भजनलाल ने एचसीएम रीपा संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में पुरस्कार वितरित किये

■ पिछड़े जिलों को मुख्यधारा में लाने के लिए 2018 से आशान्वित जिला कार्यक्रम शुरु किया गया था। राजस्थान के बारां, जैसलमेर, धौलपुर, करौली व सिरोही जिलों को इसमें शामिल किया था। इसी प्रकार 2023 में आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम में राजस्थान के 27 ब्लॉक शामिल किये गये थे।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एचसीएम रीपा में राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों एवं 23 ब्लॉकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया।

प्रारंभ किया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित जिलों में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन व कौशल विकास तथा बुनियादी ढांचे जैसे पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बारां, जैसलमेर, धौलपुर, करौली और सिरोही जिलों को इसमें सम्मिलित किया गया। वहीं वर्ष 2023 में प्रारम्भ हुए आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम में राजस्थान के 27 ब्लॉकों को भी शामिल किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सम्पूर्णता अभियान के अन्तर्गत नीति आयोग द्वारा

स्थापित 6 प्रमुख संकेतकों की संतुष्टि में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों एवं 23 ब्लॉकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया। उन्होंने 6 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतुष्टि वाले जिले करौली को स्वर्ण पदक तथा 4 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतुष्टि वाले 4 जिलों बारां, धौलपुर, जैसलमेर एवं सिरोही को कांस्य पदक से सम्मानित किया। साथ ही आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के अन्तर्गत 6 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतुष्टि वाले 3 ब्लॉकों जायल (नागौर), रानी (पाली) और खैरवाड़ा (उदयपुर) को स्वर्ण पदक के साथ ही शेष ब्लॉकों को

रजत, कांस्य एवं ताम्रपत्र श्रेणी में पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान सात तत्कालीन जिला कलेक्टरों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांशु पंत और नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव रोहित कुमार ने आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक्स कार्यक्रमों की क्रियान्विति और इसके सकारात्मक प्रभाव तथा उपलब्धियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस दौरान एचसीएम रीपा की महानिदेशक श्रेया गुहा और आयोजना विभाग में प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा सहित संबंधित विभागों और जिलों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

न्यायिक कर्मचारी आज से काम पर लौटेंगे

जयपुर, 28 जुलाई।कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर गत 18 जुलाई से सामूहिक अवकाश पर चल रहे न्यायिक कर्मचारियों ने मंगलवार से काम पर लौटने की घोषणा की है। इसके चलते प्रदेश की 1600 से अधिक अधीनस्थ अदालतों में ठप पड़ा कामकाज वापस पटरी पर लौटेगा।

राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रांतीय संरक्षक बद्रीलाल चौधरी ने बताया कि कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर संघ ने विधि मंत्री से मुलाकात की थी। उन्होंने कैडर पुनर्गठन को लेकर चल्दी ही आदेश जारी करने का

■ विधि मंत्री के आश्वासन के बाद 18 जुलाई से चल रहा सामूहिक अवकाश समाप्त करने की घोषणा की।

आश्वासन दिया है। इसके चलते सामूहिक अवकाश को वापस ले रहे हैं।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने गत दिनों एक अपराधिक मामले में निचली अदालत का रिकॉर्ड पेश नहीं होने पर न्यायिक कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश को अवैध घोषित कर दिया था। इसके साथ ही अदालत ने मामले में सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को निर्देश जारी करते हुए अवहेलना करने वाले कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई करने और जरूरत पड़ने पर निर्लज्ज तक करने को कहा था। इसके साथ ही अदालत ने जिला कलेक्टर को भी वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे।

अदालत की ओर से कठोर रुख अपनाने के बाद कई जिला न्यायिक कर्मचारी संघ काम पर वापस लौट आए थे। वहीं प्रदेश न्यायिक कर्मचारी संघ ने भी परीक्षा पर चल रहे कर्मचारियों को कार्यभार ग्रहण करने को कहा था।

पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइन्ड मारा गया

सेना ने “ऑपरेशन महादेव” के तहत तीन आतंकवादी मार गिराए

■ सेना के सूत्रों ने बताया कि मारे गए आतंकीयों में पाक आतंकी तथा लश्करे तय्येबा का सदस्य सुलेमान शाह उर्फ हाशिम भी था जो गत 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक का मास्टरमाइंड था, उस पर 20 लाख रु. का इनाम भी था।

पहलगाम हमले में एक स्थानीय निवासी और 25 पर्यटक मारे गए थे और भारत तथा पाकिस्तान एक पूर्ण युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे। पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुलेमान और दो अन्य के बारे में जानकारी देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी।

सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के दौरान एक एम4 और एके-47 राइफल, ग्रेनेड

और अन्य हथियार और गोला-बारुद भी बरामद किया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पाकिस्तानी आतंकीयों मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस-प्रशासन इस बारे में पूरी जानकारी देगा। मैं सेना, पुलिस और इस ऑपरेशन में शामिल सभी लोगों को बधाई देता हूं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, एक हफ्ते पहले सुरक्षाबलों को श्रीनगर के दाचीगाम जंगल में आतंकीयों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इन आतंकीयों ने हमले के बाद पहली बार एक चाइनीज अल्ट्रा कम्युनिकेशन सेट को फिर से एक्टिवेट किया था। उसी सैटेलाइट फोन के सिग्नल ट्रैस हुए।

इसके बाद सुरक्षाबलों ने आतंकीयों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। आज सुबह लगभग 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल और 4 पैरा यूनिट के जवानों की एक टुकड़ी ने एडवांस गैजेट्स का इस्तेमाल करके आतंकीयों का लोकेशन पता लगाया और वहां छिपे तीनों आतंकीयों को मार गिराया।

दिव्या देशमुख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ अगले साल के विमेंस कैडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। वे इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी ही भारतीय बनीं। कोनेरू हम्पी ने भी फाइनल में जगह बनाने के साथ कैडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला विश्व कप जीतने तथा कोनेरू हम्पी को उपविजेता बनने के लिए बधाई दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलैक्टोरल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2024 के आम चुनावों में आधार को स्वीकार किया गया था और बिहार में यह व्यापक रूप से उपयोग में है। यह भी तर्क दिया गया कि बिहार जैसे राज्य में, जहाँ गरीबी, अशिक्षा और प्रवासन की दर अधिक है, वहाँ चुनाव आयोग द्वारा मांगे गए दस्तावेज, जैसे पासपोर्ट, जन्म प्रमाणपत्र, मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट, स्थायी निवास प्रमाणपत्र आदि, आम लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा कि यह पहली बार है जब चुनाव आयोग उन लोगों से भी पात्रता का प्रमाण मांग रहा है, जिन्होंने पहले कई बार मतदान किया है। यदि वे ऐसा प्रमाण देने में विफल रहते हैं, तो उन्हें सूची से बाहर किया जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोलने वाली में थरुर का नाम नहीं

नई दिल्ली, 28 जुलाई। संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सांसद शशि थरुर अपनी पार्टी से अलग थलग नजर आ रहे हैं। विरवस्त सूत्रों के मुताबिक थरुर ने ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर कांग्रेस को साफ-साफ कह दिया है कि वह इस मामले पर वही बात कहेंगे जो कहते आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेतृत्व ने थरुर से बहस में शामिल होने के लिए

■ चर्चा है कि थरुर ने इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना से इंकार कर दिया।

कहा था जिसपर उन्होंने कहा कि वह ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार की आलोचना करने वाली पार्टी लाइन का पालन नहीं कर सकते। उनसे जब संसद परिसर में पत्रकारों ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल किया तो उन्होंने इस पर कोई जवाब देने की बजाय सिर्फ कहा मौन ब्रता। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए कांग्रेस ने सांसदों की जो सूची जारी की है उसमें गौरव गोरोई, प्रियंका गांधी वाड़ा, दीपेंद्र हुड्डा, प्रणीति शिंदे, सप्तगिरी उलाका तथा बिजेन्द्र एस ओला शामिल है। सूची में थरुर का नाम नहीं है।

‘इन-हाउस जाँच में शामिल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) डालना, मीडिया ट्रायल, जनता द्वारा न्यायाधीशों का दोष तय करना, ये सब निषिद्ध हैं। अगर प्रक्रिया इसकी अनुमति देती है, तो यह संविधान पीठ के निर्णय का उल्लंघन है।”

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सजीव खन्ना द्वारा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र का हवाला दिया जिसमें जस्टिस वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई थी। कोर्ट ने पूछा, “आपको कैसे पता कि उस पत्र में महाभियोग की बात की गई? वह पत्र सार्वजनिक डोमेन में नहीं है?” जब रिस्बल ने कहा कि नकदी आउट हाउस से मिली थी और पूछा कि इसका संबंध न्यायाधीश से कैसे जोड़ा जा सकता है, तो जस्टिस दत्ता ने कहा, “पुलिस, एफआईआर, स्टाफ - सभी वहां थे और नकदी बरामद हुई।” रिस्बल ने जवाब दिया कि न्यायाधीश का स्टाफ वहां मौजूद नहीं था। जब जस्टिस दत्ता ने पूछा कि क्या वह यह कह रहे हैं कि समिति की रिपोर्ट भरोसे लायक नहीं है, तो रिस्बल ने कहा, “हां, नहीं है।”

जस्टिस दत्ता ने पूछा, “जब समिति गठित हुई थी, तब आपने उसे चुनौती क्यों नहीं दी? आपने इंजुअर क्यों किया? अतीत में भी कुछ न्यायाधीश इन कार्यवाहियों से दूर रहे हैं।” रिस्बल ने कहा कि जस्टिस वर्मा इसलिए समिति के सामने पेश हुए क्योंकि उन्हें लगा था कि समिति नकदी के असली मालिक का पता लगाएगी। अगली सुनवाई बुधवार को होगी। जस्टिस वर्मा तब सुर्खियों में आए थे जब दिल्ली स्थित उनके आवास में आग लगने के दौरान भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। इस घटना के बाद उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे और उन्हें

बिजौलियां के तिलस्वां में सड़क पर नाव चली

मांडलगढ़ में तेजपुरा बांध के सभी गेट खोले, गोवटा बाँध में चार फीट की चादर

माण्डलगढ़, 28 जुलाई (निसं)। मांडलगढ़ और बिजौलियां इलाके में पिछले 24 घण्टे से हो रही भारी बारिश से आधा दर्जन नदियां उफान पर चल रही हैं। बिजौलियां के तिलस्वां में बाढ़ के हालात बन गए हैं। रविवार रात को नौ इंच बारिश होने से एरु नदी उफान पर आ गई, जिससे मंदिर परिसर और आसपास के घरों और दुकानों में तथा सड़कों पर चार से पांच फीट पानी भर गया। लोग छतों पर जाने को मजबूर हो गए। कई लोगों को सड़क पर नाव चला कर रस्क्यू किया गया। मांडलगढ़ के जेतपुरा बांध के सभी गेट सात फीट तक खोले गए हैं और गोवटा बांध पर चार फीट की चादर चल रही है।

मानपुर गांव की एक बस्ती के घरों में पानी घुस गया। तिलस्वां मंदिर के बाहर कॉलोनी और बाजार जलमग्न

■ मांडलगढ़ में लगातार बारिश के दौर के कारण सड़कों की पुलियाओं पर पानी आ गया। बरुनंदनी, जोजवा, मानपुरा, श्यामपुरा आदि दो दर्जन से अधिक गाँवों का सड़क सम्पर्क टूट गया।

होने से काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। भीलवाड़ा के कलेक्टर जसमोत सिंह सिद्धू ने तिलस्वां और जेतपुरा बांध के हालात का जायजा लेकर स्थानीय

प्रशासन के अधिकारियों और लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

मांडलगढ़ में लगातार बारिश के दौर और नदियों के उफान और कई बांधों की चादर चलने से सड़कों की पुलियाओं पर पानी आ गया है, जिससे बरुनंदनी, जोजवा, मानपुरा, श्यामपुरा सहित दो दर्जन से अधिक गांवों का सड़क सम्पर्क टूट गया है। मैनाली, बेडूच, बनास नदी का जल स्तर भी बढ़ गया है। मांडलगढ़ में श्यामगढ़ के पास नदी बनी पुलिया पर पानी का तेज बहाव होने के बावजूद एक ट्रेलर चालक जान जोखिम में डाल कर पुलिया पार कर रहा था और हादसा हो गया। पुलिया के पानी में फिसल कर ट्रेलर नदी में जा गिरा, गनीमत रही कि ट्रेलर का चालक तैर कर बाहर निकल गया, जिससे उसकी जान बच गई।



बिजौलियां के तिलस्वां में भारी बारिश से एरु नदी में उफान आ गया जिससे बाढ़ के हालात बन गये। सड़कों पर चार से पांच फीट पानी भर जाने से सड़क पर नाव से लोगों का रस्क्यू किया गया।

गडकरी द्वारा सरकार के काम काज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसार, गडकरी की यह नाराजगी अचानक नहीं है। हाल के वर्षों में चर्चा पार्टी के अहम फैसलों से दूर रखा गया है—2024 के लोकसभा चुनावों से ठीक पहले उन्हें पार्टी की शीर्ष निर्णय लेने वाली संसदीय बोर्ड से बाहर कर दिया गया था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गडकरी की ये टिप्पणियां मोदी सरकार में उनके घटते राजनैतिक महत्व के प्रति असंतोष की झलक हैं, जबकि वे सरकार के सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले मंत्रियों में गिने जाते हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के रूप में उनकी कार्यक्षमता और

बेबाकी की अक्सर तारीफ होती रही है। ऐसे में उन्हें पार्टी के आंतरिक नियंत्रणों से अलग रखना स्वयं संघ परिवार के बाहर भी और भीतर भी सवाल खड़े करता है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जो गडकरी की विचारधारा की जन्मस्थली है, मोदी और शाह की केंद्रीकृत कार्यशैली को लेकर लंबे समय से असहज महसूस कर रहा है। संघ के भीतर से समय-समय पर यह संकेत भी मिलते रहे हैं कि 2014 में मोदी द्वारा तय की गई 75 वर्ष की अनौपचारिक रिटायरमेंट सीमा का पालन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी इसी साल 75 वर्ष के

हो रहे हैं, और ऐसे में पार्टी के नेतृत्व को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इस पृष्ठभूमि में गडकरी की हालिया टिप्पणी को एक राजनीतिक पहचान की पुनःस्थापना के तौर पर देखा जा रहा है—संभवतः यह भाजपा के भीतर एक वैकल्पिक नेतृत्व संकेत भी हो सकता है।

हालांकि मोदी के नेतृत्व को अभी कोई खुरी चुनौती नहीं दी गई है, लेकिन संघ से गहरे जुड़े एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा इस तरह सार्वजनिक रूप से असंतोष व्यक्त करना यह इशारा हो सकता है कि भाजपा एक “पोस्ट-मोदी” (मोदी के बाद) युग की आंतरिक तैयारी की ओर बढ़ रही है।

उच्च न्यायालयों में 19 न्यायाधीशों की नियुक्ति

नयी दिल्ली, 28 जुलाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चार उच्च न्यायालयों के लिए 19 न्यायाधीश और अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। केंद्रीय विधि एवं न्याय की ओर से सोमवार को जारी अलग-अलग अधिसूचनाओं के अनुसार मध्य प्रदेश, तेलंगाना और गुजरात के लिए उनकी नियुक्ति की गई है। अधिसूचना के अनुसार, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद पर अधिवक्ता पुष्पेंद्र यादव, आनंद सिंह बहरावत, अजय कुमार निरंकारी, जय कुमार फिल्लई और हिमांशु जोशी की नियुक्ति की गई।